भारत बना शंघाई सहयोग संगठन (SCO) का पूर्णकालिक सदस्य

drishtiias.com/hindi/printpdf/india-admitted-to-sco-as-a-full-member

संदर्भ

शुक्रवार को भारत शंघाई सहयोग संगठन (SCO) का पूर्ण सदस्य बन गया, जिसके प्रवेश की प्रशासनिक प्रक्रिया दो साल पूर्व ही शुरू हो गयी थी। एस.सी.ओ. में भारत की सदस्यता की घोषणा कज़ाखस्तान के राष्ट्रपति नरसुल्तान नज़रबायेव ने की। इसके साथ ही पाकिस्तान को भी इस संगठन का पूर्ण सदस्य बनाया गया।

महत्त्वपूर्ण बिंदु

- 2005 से भारत और पाकिस्तान इस संगठन में पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर रहे हैं।
- भारत ऐसे समय में सदस्य बना है जब भारत-पाकिस्तान के मध्य सीमापार आतंकवाद को लेकर तनाव बना हुआ है तथा चीन के 'बेल्ट और रोड इनिशिएटिव' पर आपत्ति है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद को मानवता के लिये एक बड़ा खतरा बताते हुए कहा है कि संगठन में भारत का आगमन आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को और तेज़ करेगा।
- प्रधानमंत्री ने एस.सी.ओ. देशों के मध्य 'कनेक्टिविटी' को बढ़ावा देने पर ज़ोर देते हुए कहा कि कनेक्टिविटी का निर्माण करते समय क्षेत्रीय संप्रभुता और अखंडता को बनाए रखा जाना चाहिये।
- भारत-चीन दोनों देशों ने कैलाश मानसरोवर यात्रा, व्यापार और निवेश के मुद्दों, औद्योगिक पार्कों, आतंकवाद पर सहयोग और संसदीय आदान-प्रदानों पर चर्चा की।
- भारत-चीन ने 'सांस्कृतिक सहयोग' पर एक विस्तृत चर्चा की। चीन के राष्ट्रपति ने भारतीय फिल्मों की तारीफ करते हुए कहा कि फिल्म 'दंगल' चीन में अच्छा प्रदर्शन कर रही है।
- प्रधानमंत्री ने उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति के साथ भी द्विपक्षीय वार्ता की और दोनों देशों ने 'चिकित्सा पर्यटन' (MEDICAL TOURISM) और व्यापार पर सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

शंघाई सहयोग संगठन (SCO)

- शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) एक यूरेशियन राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा संगठन है, जिसकी स्थापना चीन, कज़ाखस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान के नेताओं द्वारा 15 जून, 2001 को शंघाई (चीन) में की गई थी।
- उज्बेकिस्तान को छोड़कर बाकी देश 26 अप्रैल 1996 में स्थापित 'शंघाई पाँच' समूह के सदस्य हैं।